Hindustan- New Delhi- 28-03-2011

मेडिकल की पीजी सीटें भी बढ़ेंगी

इस साल सभी पैथियों की डॉक्टरी सीटें एक लाख से ऊपर होने का अनुमान

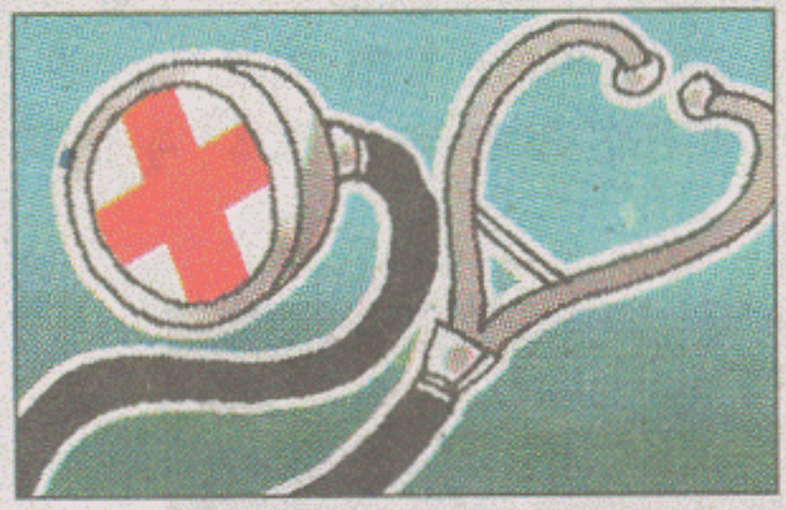

मदन जैड़ा

नई दिल्ली

डॉक्टरी की पढ़ाई करने के इच्छुक नौजवानों के लिए इस बार बेहतर मौके आ रहे हैं। इसकी वजह है एमबीबीएस सीटों में करीब डेढ़ गुने का इजाफा होना। एमबीबीएस के साथ-साथ डेंटल की सीटें भी बढ़ रही हैं। ग्रेजुएट के साथ-साथ पोस्ट ग्रेजुएट सीटों में सरकार भारी इजाफा करने जा रही है।

अनुमान है कि मेडिकल और डेंटल की दोनों तरह की सीटें इस बार एक लाख पार कर जाएंगी पर इंजीनियरिंग और प्रबंधन की चार-चार लाख सीटों की तुलना में ये अभी भी बेहद कम हैं।

मौके बढ़े

- नए कॉलेजों से एमबीबीएस, एमडी, बीडीएस व एमडीएस सीटें बढ़ी
- लेकिन इंजीनियरिंग और प्रबंधन में हैं चार-चार लाख सीटें

एमसीआई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के सदस्य डॉ. रंजीत राय चौधरी ने बताया कि इस बार नए मेडिकल कॉलेजों के लिए करीब 80 आवेदन आए हैं। दूसरे, करीब इतने ही कॉलेजों ने सीटें बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। इन्हें प्रोसेस किया जा रहा है। पहले मेडिकल कॉलेजों के लिए अधिकतम सीट सीमा 150 थी जो कुछ समय पूर्व बढ़ाकर 250 कर दी गई। एमसीआई के मुताबिक, एमबीबीएस सीटों की संख्या 34 हजार से बढ़कर 50 हजार के ऊपर हो जाएगी।

इसी प्रकार एमसीआई ने पीजी कोर्स के लिए सीटें बढ़ाने की अवधि 28 फरवरी से बढ़ाकर 31 मार्च की थी। बीओजी के सदस्य डॉ. आर.एन. सलहन के अनुसार, इससे फायदा यह हुआ कि सीटें बढ़ाने के लिए 1,500 और आवेदन आ गए। बता दें कि पीजी सीटें करीब 18 हजार हैं जो इस बार बढ़कर 24 हजार तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

पीजी में एक शिक्षक पर दो छात्रों को एडमिशन के फार्मूले से पीजी सीटें बढ़ रही हैं जबकि पहले एक शिक्षक पर एक पीजी स्टूडेंट को ही दाखिला मिलता था।